पी-एच.डी.पूर्व (संस्कृत) पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र - PSA- C111 शोधप्रविधि एवं सामान्य कम्प्यूटर ज्ञान

PSA- C101Shodhapravidhi evam Samanya Computer Jnana

लिखित परीक्षा - 70, आन्तरिक मूल्यांकन[1] - 30

पूर्णांक - 100

प्रथम यूनिट

1. शोध की परिभाषा एवं शोध का उद्देश्य।
2. शोध की उपयोगिता।
3. शोध और आलोचना।
4. शोध के अधिकारी।
5. शोधनिर्देशक का चयन एवं शोधनिर्देशन के सिद्धान्त।
6. साहित्य के क्षेत्र में शोध का स्वरूप।
7. साहित्यिक शोध के प्रकार(तुलनात्मक,ऐतिहासिक,भाषावैज्ञानिक,वैज्ञानिक आदि पद्धतियाँ)।

द्वितीय यूनिट

1. पूर्वकृतकार्य का सर्वेक्षण।
2. शोधक्षेत्र एवं संभाव्य शोधविषय का चयन।
3. शोधक्षेत्र का विभाजन एवं रूपरेखानिर्माण की पद्धति।
4. शोध के प्राथमिक और अन्य स्रोतों की पहिचान।
5. सामग्री संकलन एवं उसका रूपरेखा के अनुसार वर्गीकरण।
6. संगृहीत सामग्री की उपयोगिता का निर्णय।
7. उद्धरण एवं सन्दर्भ लिखने की विधि।
8. परिशिष्ट एवं अनुक्रमणिकाएँ।
9. शोधप्रबन्ध के दोष और उनका निराकरण।

तृतीय यूनिट

1. प्राक्कथन।
2. विषयसूची।
3. शोधप्रबन्धलेखन एवं उसमें विश्लेषण विधि का उपयोग।
4. संकेतसूची।
5. उपसंहार।

---

1. **आन्तरिक मूल्यांकन में विभागीय सेमिनार के अन्तर्गत एक शोधपत्र की प्रस्तुति भी करनी होगी।**

6. शोधसार।
7. प्रथम आलेख एवं उसमें संशोधन,अन्तिम आलेख।
8. सहायक सन्दर्भग्रन्थसूचीनिर्माण।
9. शोधसामग्री उपलब्ध कराने वाले स्रोतों के प्रति आभार प्रदर्शन।

चतुर्थ यूनिट

1. विंडो का सामान्य परिचय एवं उससे होने वाले प्रमुख कार्य।
2. एक्सप्लोरर।
3. माइक्रोसोप्ट के ऑफिस का सामान्य ज्ञान।
4. फाइल बनाना एवं फोल्डर बनाना।
5. पाद टिप्पणी डालने की विधि।
6. फार्मेटिंग।

पञ्चम यूनिट

1. शोध में इण्टरनेट का प्रयोग।
2. इण्टरनेट से शोध सामग्री का संकलन।
3. संस्कृत साहित्य का परिचय तथा साहित्य उपलब्ध कराने वाली कतिपय साइट्स के नाम व पते।
4. माइक्रोसोप्ट ऑफिस की फाइल को पी.डी.एफ.बनाना ।
5. पॉवर पॉइण्ट का सामान्य परिचय।

संस्तुत पुस्तकसूची

1.	अनुसन्धान का विवेचन	डॉ.उदयभान सिंह
2.	संस्कृत-शोध: वैदिक अध्ययन	डॉ.कृष्णलाल
3.	शोधप्रविधि	डॉ.विनयमोहन शर्मा
4.	शोधप्रक्रिया और विवरणिका	सावित्री सिन्हा एवं डॉ. विजयेन्द्रस्नातक
5	अनुसन्धान स्वरूप एवं प्रविधि	डॉ.रामगोपाल शर्मा दिनेश
6	अनुसन्धान के मूलतत्त्व	डॉ.उदयभान सिंह

संस्कृत विभाग

गुरुकुल काँङ्गडी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

प्री.पी-एच.डी पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्रसंख्या- PSA-C112 शोध एवं प्रकाशन-नैतिकता

Shodhaevamprakaashananaitikata

समय-3 घण्टे

पूर्णाङ्क : 100

सत्रीय

मूल्याँकनपरीक्षा- 30

सत्रान्त

परीक्षा- 70

क्रेडिट-

02

उद्देश्य (About the course) : शोध और प्रकाशन नैतिकता (आर.पी.ई.):- इस पाठ्यक्रम से शोधार्थीप्रकाशन नैतिकता और प्रकाशन कदाचार के बारे में जागरुक हो सकेंगे।

(Research and Publication Ethics (RPE)-Course for awareness about the publication ethics and publication misconducts.)

अवलोकन (Overview) :इस पाठ्यक्रम में कुल छःखण्ड हैं। इस पाठ्यक्रममें विज्ञान और नैतिकता के दर्शन,शोध- प्रामाणिकता तथाप्रकाशन-नैतिकताकी मूलभूत बातों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। व्यावहारिक सत्रों को शोध-कदाचार और अपहरक प्रकाशनों की पहचान करने के लिए निर्मित किया गया है।इसमें अनुक्रमणिकाऔर उद्धरण आंकड़े, उन्मुक्त अभिगम प्रकाशन, शोध मेट्रिक्स (उद्धरण, एस-इण्डेक्स, इम्पैक्ट फैक्टरआदि) और साहित्यिक चोरी के उपकरणों के बारे में जानकारी प्रदान की जायेगी।

(This course has total 6 units focusing on basics of philosophy of science and ethics, research integrity, publication ethics. Hands-on-sessions are designed to identify research misconduct and predatory publications. Indexing and citation databases, open access publications, research metrics (citations, s-index, Impact Factor, etc.) and plagiarism tools will be introduced in this course.)

शिक्षाशास्त्र (Pedagogy):कक्षा-शिक्षण, अतिथि-व्याख्यान, समूह-चर्चा और व्यावहारिक सत्रआयोजित किए जायेंगे।

(Class room teaching, guest lectures, group discussions, and practical sessions.)

खण्ड-क(Section-A)

दर्शन और नैतिकता (PHILOSOPHY AND ETHICS)

घटक- क(Unit-I)दर्शन का परिचय: परिभाषा, प्रकृति और क्षेत्र, अवधारणा, शाखाएँ

definition, Introduction to philosophy: nature and scope, concept, branches)

घटक- ख(Unit-II)नैतिकता: परिभाषा, नैतिक-दर्शन, नैतिक-निर्णयों और प्रतिक्रियाओं की प्रकृति।

(Ethics: definition, moral philosophy, nature of moral judgements and reactions)

खण्ड –ख(Section-B)

वैज्ञानिक-आचरण (SCIENTIFICCONDUCT)

घटक- क(Unit-I)विज्ञान और शोध के सम्बन्ध में नैतिकता

Ethics with respect to science and research.

घटक- ख(Unit-II)बौद्धिक ईमानदारी और शोध-प्रामाणिकता

Intellectual honesty and research integrity.

घटक-ग(Unit-III)वैज्ञानिक कदाचार: मिथ्याकरण, निर्माण, और साहित्यिक-चोरी

Scientific misconducts: Falsification, Fabrication and Plagiarism **(FFP)**

घटक- घ(Unit-IV)अनावश्यक प्रकाशन: प्रतिरूप और अतिव्यापी प्रकाशन, छोटे-छोटे टुकड़ों में बाँटना

Redundantpublications:duplicate and overlapping publications, salami slicing

घटक- ङ(Unit-V)चयनात्मक प्रतिवेदन और आंकड़ों की गलत व्याख्या

Selective reporting and misrepresentation of data

खण्ड-ग(Section-C)

प्रकाशन नैतिकता(PUBLICATION ETHICS)

घटक- क(Unit-I)प्रकाशन- नैतिकता: परिभाषा, परिचय और महत्त्व

Publication ethics: definition, introduction and importance

घटक- ख(Unit-II)सर्वोत्तम अभ्यास / मानक स्थापित करने केउपक्रम और दिशानिर्देश: COPE, WAMEआदि।

Best practices / standards setting initiatives and guidelines: COPE, WAMEetc.

घटक- ग(Unit-III)व्यक्तिगत रुचि का संघर्ष

Conflicts of interest

घटक- घ(Unit-IV)प्रकाशन कदाचार: परिभाषा, अवधारणा, समस्याएँ जो अनैतिक व्यवहार की ओर ले जाती हैं और इसके विपरीत, प्रकार।

Publication misconduct: definition, concept, problems that lead to unethical behavior and vice versa, types.

घटक- ङ(Unit-V)प्रकाशन-नैतिकता, लेखकत्व और योगदान का उल्लंघन

Violation of publication ethics, authorship andcontributorship

घटक- च(Unit-VI)प्रकाशन कदाचार, शिकायतों और पुनर्वादों की पहचान

Identification of publication misconduct, complaints and appeals

घटक- छ(Unit-VI)अपहारी प्रकाशक और पत्रिकाएँ

Predatory publishers and journals

PRACTICE

खण्ड-घ(Section-D)

उन्मुक्त अभिगम प्रकाशित(OPEN ACCESS PUBLISHING)

घटक- क(Unit-I) उन्मुक्त अभिगम प्रकाशन और उपक्रम।

Open access publications and initiatives

घटक- ख(Unit-II)प्रकाशक प्रतिलिप्याधिकार और स्वयं संग्रह नीतियों की जाँच करने के लिए SHERPA/ROMEOऑनलाइन स्रोत।

SHERPA/ROMEO online resource to check publisher copyright & self-archiving policies

घटक- ग(Unit-III)SPPUद्वारा विकसित अपहारी प्रकाशनों की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर उपकरण

Software tool to identify predatory publications developed by SPPU

घटक- घ(Unit-IV)शोध-पत्रिकाखोजक/ शोध-पत्रिका सुझाव उपकरण। जैसे- जेने, एल्सेवियर जर्नल फाइण्डर, स्प्रिंगर जर्नल सुझावआदि।

Journal finder/ journal suggestion tools viz. JANE, Elsevier Journal Finder, Springer Journal Suggester, etc.

खण्ड-ङ(Section-E)

प्रकाशन कदाचार (PUBLICATION MISCONDUCT)

घटक- क (Unit-I)समूह-चर्चा (Group Discussions) **:**

i. विषय विशिष्ट नैतिक विवाद, FFP, लेखकत्व

Subject specific ethical issues, FFP, authorship

ii.रुचियों का टकराव

Conflicts of interest

iii.शिकायतें और पुनर्वाद; भारत और विदेशों से उदाहरण और धोखाधड़ी

Complaints and appeals; examples and fraud from India and abroad

घटक- ख(Unit-II) सॉफ्टवेयर उपकरण(Software tools)

साहित्यिक-चोरी सॉफ्टवेयर-टर्निटिन,उरकुण्ड और अन्य ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर उपकरण

Use of plagiarism software like Turnitin. Urkund and other open source software tools

खण्ड-च(Section- F)

आधारभूत आंकड़े और शोध-मात्रिक

DATABASES AND RESEARCH METRICS

घटक- क (Unit-I) आधारभूत आंकड़े **(Databases)**
iअनुक्रमण डेटाबेस(Indexing databases)ii.उद्धरण आंकड़े: वेब ऑफ साइंस, स्कोपसआदि।
(Citation databases: Web of Science, Scopus, etc.)

घटक- क (Unit-I)शोध मात्रिक (Research Metrics)

1.जर्नल उद्धरण प्रतिवेदन के अनुसार पत्रिका का प्रभाव कारक,SNIP, SJR, IPP, Cite Score

Impact Factor of journal as per Journal Citation Report, SNIP, SJR, IPP, Cite Score
2. मेट्रिक्स: एच-इण्डेक्स, जी इण्डेक्स, आई10 इण्डेक्स, ऑल्टमेट्रिक्स
Metrics: h-index, g index, i10 index, altmetrics

मूल्याँकन (Evaluation):

अनुशिक्षण, समनुदेशन,प्रश्नोत्तरी औरपरिचर्चाओं के माध्यम से निरन्तर मूल्याँकन किया जाएगा।
पाठ्यक्रम के अन्त में अन्तिम लिखित परीक्षा में सक्रिय भागीदारी को महत्त्व दिया जाएगा।

Continuous assessment will be done through tutorials, assignments, quizzes, and your discussions. Weightage will be given for active participation Final written examination. will be conducted at the end of the course.

पी-एच.डी.पूर्व (संस्कृत)पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र- PSA- C113 पाण्डुलिपि विज्ञान एवं शोधसर्वेक्षण

PSA- C102 Pandulipi Vijnana evam Shodhasarvekshana

लिखित परीक्षा- 70, आन्तरिक मूल्यांकन[2]- 30

पूर्णांक- 100

प्रथम यूनिट

1. संस्कृत हस्तलेखों का अध्ययन।
2. प्रकाशित और अप्रकाशित ग्रन्थों का पाठनिर्धारण।
3. पाण्डुलिपियों में विकृति के कारण,अध्ययन तथा संशोधन की विधि।
4. संस्कृत में कोश के प्रकार और उनका शोध में उपयोग।
5. संस्कृत साहित्य की प्रमुख शोधपत्रिकाओं का परिचय और उनका शोधकार्य में उपयोग।

द्वितीय यूनिट

1. वैदिक संस्कृत के लेखनचिह्न।
2. संस्कृत वर्णमाला और उसके चिह्न।
3. अन्तर्राष्ट्रिय लेखनचिह्नों का परिचय।
4. अनुसन्धान केन्द्रों एवं पुस्तकालयों का परिचय।(भण्डारकर ओरियेण्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट् पूना,विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोधसंस्थान होशियारपुर,दयानन्द चेयर ऑफ वैदिक स्टडीज चण्डीगढ़,गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार.ओरियेण्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट् तिरुपति,सेन्टर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन संस्कृत पूना,वैदिक संशोधन मण्डल,पूना,ओरियेण्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट् मैसूर,गंगानाथ झा रिसर्च इंस्टीट्यूट् इलाहाबाद,कुप्पुसामी रिसर्च इंस्टीट्यूट् मद्रास)
5. वेद के विविध पाठों(क्रमपाठ आदि)का सामान्य परिचय।

तृतीय यूनिट

1. भारतीय एवं वैदेशिक विद्वानों के शोधकार्य और उनके प्रमुख क्षेत्र।
2. गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय में वेद और संस्कृत में सम्पन्न शोध के प्रमुख क्षेत्र।
3. गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय के विद्वानों के शोधकार्य और उनके प्रमुख क्षेत्र।
4. संस्कृत साहित्य में शोध की भावी दिशा।

चतुर्थ यूनिट

1. वैदिक साहित्य के अनुसन्धान पर दयानन्द का प्रभाव।
2. संस्कृत साहित्य के अनुसन्धान पर दयानन्द का प्रभाव।
3. आधुनिक चिन्तकों की विचारधारा का वेद और संस्कृत के शोधकार्यों पर प्रभाव।
4. आधुनिक विद्वानों की शोधदृष्टि।

---

2. **आन्तरिक मूल्यांकन में विभागीय सेमिनार के अन्तर्गत एक शोधपत्र की प्रस्तुति भी करनी होगी।**

पञ्चम यूनिट

1. वेद में प्रमुख शोधक्षेत्र(वेद,ब्राह्मण,आरण्यक आदि)।
2. संस्कृत में प्रमुख शोधक्षेत्र(दर्शन,काव्य,नाटक,व्याकरण,योग,आयुर्वेद आदि)।
3. संस्कृत शोध पर आधुनिक विषयों का प्रभाव(भाषाविज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, पर्यावरणविज्ञान आदि)।

संस्तुत पुस्तकसूची

1.	भारतीय पाठालोचन की भूमिका(हिन्दी अनुवाद)	डॉ.एस.एम.कत्रे
2.	पाठालोचन: सिद्धान्त और प्रक्रिया	डॉ.मिथिलेश कत्रे
3.	पाण्डुलिपि विज्ञान	डॉ.रामगोपाल शर्मा दिनेश
4.	Indological studies in India	Raghavan
5.	Review of Indological Research in last 75 years.	Ed. P.G. Chinrnulgund and Dr. V.V.Mirashi